

د قرآن نور

اول جز: درس 11 – سورة البقرة آيات 33-39

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|--------------------------|--|-------------------------|--|------------------------------|--|
| قَالَ | | يَعَادُمْ | | أَنْبِئُهُمْ | |
| ق قول | | | | ن ب أ | |
| او فرمائیل (اللہ تعالیٰ) | | اے آدم | | خبر ورکړه دوی له | |
| بِأَسْمَائِهِمْ | | فَلَمَّا | | أَنْبَأَهُمْ | |
| س م و | | | | ن ب أ | |
| د دوی د نومونو | | بیا چه کله | | هغه خبر ورکړو هغوی له | |
| د هغوی د نومونو | | | | | |
| قَالَ | | أَقْل | | أَعْلَمَ | |
| ق قول | | ق قول | | ع ل م | |
| او فرمائیل (اللہ تعالیٰ) | | ماوئیلی | | تاسو ته | |
| آیا نه وو | | بے شکه څه | | څه پوهیرم | |
| عَبِيبٌ | | وَأَعْلَمُ | | مَا | |
| غ ي ب | | ع ل م | | | |
| په غیب | | او د زمک | | څه چه | |
| د آسمانونو | | او څه پوهیرم | | تاسو ظاهر وی | |
| وَمَا | | وَإِذْ | | قُلْنَا | |
| ك و ن | | ك ت م | | ق قول | |
| او څه چه | | تاسو پتوی | | اووے مونږ | |
| بِي تاسو | | او چه کله | | فرشتو ته چه | |
| أَسْجُدُوا | | فَسَجَدُوا | | إِلَّا | |
| س ج د | | س ج د | | | |
| سجده اوکړی | | نو هغوی سجده اوکړه | | د ابلیس نه | |
| آدم ته | | سوائے | | هغه انکار اوکړو | |
| وَاسْتَكْبَرَ | | وَكَانَ | | وَقُلْنَا | |
| ك ب ر | | ك و ن | | ق قول | |
| او تکبر ۛ اوکړو | | او هغه شو | | او اووئیل مونږ (اللہ تعالیٰ) | |
| يَا آدَمُ | | مِنَ الْكَافِرِينَ ﴿٣٤﴾ | | | |
| | | ك ف ر | | | |
| اے آدم | | د کافرانو نه | | | |

د قرآن نور

اول جز : درس 11 – سورة البقرة آيات 33-39

| | | | | | |
|----------------|-----------------|------------------------------|-------------------------|-------------------------|-----------|
| اسْكُنْ | أَنْتَ | وَزَوْجِكَ | الْجَنَّةِ | وَكَلَّا | مِنْهَا |
| س ك ن | | زوج | ج ن ن | ا ك ل | |
| اوسيره | ته | او بنه ستا | په جنت كبن | او تاسو دوانره خورئ | د دے نه |
| رَعْدًا | حَيْثُ | شِدْتُمَا | وَلَا | تَقْرَبَا | |
| ر ع د | ح ي ث | ش ي ا | | ق ر ب | |
| په فراخئ سره | د كوم خائ نه چه | تاسو دوانره غوارئ | او مه | تاسو دوانره نزدے ورخئ | |
| هَذِهِ | الشَّجَرَةَ | فَتَكُونَا | مِنَ الظَّالِمِينَ ﴿٣٥﴾ | فَأَرْلَهُمَا | |
| | ش ج ر | | ظ ل م | ز ل ل | |
| دے | اونه له | گنی تاسو دوانره به شئ | د ظالمانو نه | بيا اوسوئيول دوي دوانره | |
| الشَّيْطَانُ | عَنْهَا | فَأَخْرَجَهُمَا | مِمَّا | كَانَا | |
| ش ط ن | | خ ر ج | | ك و ن | |
| شيطان | د هغه نه | بيا هغه رااويستل هغوي دوانره | د هغه نه (جنت) | هغوي دوانره وو | |
| فِيهِ | وَقُلْنَا | اهْبِطُوا | بَعْضُكُمْ | لِبَعْضٍ | عَدُوٌّ |
| | ق و ل | ه ب ط | ب ع ض | ب ع ض | ع د و |
| په هغه كبن | او اووے مونبر | كوز شئ/ كبنته شئ | خنے ستاسو | د خنو | دشمنان دي |
| وَلَكُمْ | فِي الْأَرْضِ | مُسْتَقَرٌّ | وَمَتَاعٌ | إِلَىٰ حِينٍ ﴿٣٦﴾ | |
| | أ ر ض | ق ر ر | م ت ع | ح ي ن | |
| او ستاسو دپاره | په زمكه كبن | خائ د اوسيدو/ خائ د ستوگن | او فائده اوچتوي | د يو مودے پوري | |
| فَتَلَقَىٰ | آدَمُ | مِنْ رَبِّهِ | كَلِمَاتٍ | فَقَابَ | |
| ل ق ي | | ر ب ب | ك ل م | ت و ب | |
| بيا ازده كرے | آدم عليه سلام | د خپل رب نه | يو خو كلمے | بيا هغه مهربانه شو | |
| عَلَيْهِ | إِنَّهُ | هُوَ | التَّوَابُ | الرَّحِيمُ ﴿٣٧﴾ | |
| | | | ت و ب | ر ح م | |
| په هغه باندي | بے شكه هغه | هم هغه دے | دير توبه قبلونكے | باربار رحم كولو والا | |

د قرآن نور

اول جز: درس 11 – سورة البقرة آيات 33-39

| | | | | |
|----------------------------|-------------------|-------------------|---------------|----------------------|
| قُلْنَا | اهْبِطُوا | مِنْهَا | جَمِيعًا | فَإِمَّا |
| ق و ل | ه ب ط | | ع م ج | |
| اووئیل مونبر (اللہ تعالیٰ) | کوز شی / کبنتہ شی | د دے نہ | تول | بیا کہ چرے |
| يَأْتِيَنَّكُمْ | مِئِي | هُدَى | فَمَنْ | تَبِعَ |
| ا ت ی | | ه د ی | | ت ب ع |
| راشی تاسو له | خما د طرفنه | خه هدايت | نو چا چه | اتباع اوکړه |
| فَلَا | خَوْفٌ | عَلَيْهِمْ | وَلَا | يَحْزَنُونَ ﴿٣٨﴾ |
| | خ و ف | | | ح ز ن |
| نونه به | هيخ ويره وى | په هغوى باند | او نه به | هغوى غمزن وى |
| وَالَّذِينَ | كَفَرُوا | وَكَذَّبُوا | بِآيَاتِنَا | أُولَئِكَ |
| | ك ف ر | ك ذ ب | أ ي ي | |
| او هغوى چا چه | كفر اوکړو | او دروغ ئى اوگنړل | خمونبر آيتونه | هم دغه خلق دى |
| أَصْحَابُ | النَّارِ | هُمْ | فِيهَا | خَالِدُونَ ﴿٣٩﴾ |
| ص ح ب | ن و ر | | | خ ل د |
| ملگری | د اور | هغوى به | په هغه کبن | هميشه اوسيدو والا وى |